(ख) यदि हां, तो कब से और नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) (क) और (ख). मध्यस्थ मंडल के अधिनिर्णय के अनुसार जो आधार तय किया गया है उसे लागू करके बरौनी परियोजना क्षेत्र में काम करने वाले रेल कर्मचारियों को परियोजना भत्ता देने का प्रश्न अभी विचाराधीन है ।

Delay in Issue of Railway Time-Table October, 1971

252. SHRI M. KALYANASUNDARAM :
SHRI R. P. DAS :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the reasons for the failure to publish the Railway Time-Table with effect from the 1st October 1971 as usual ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : In the context of unsettled train running conditions in Eastern part of the country caused by floods and in view of impending change in pattern of train services consequent upon the opening of Farakha Barrage from November '71, it was decided to postpone the issue of winter Time Table by one month. Accordingly, the time table normally due for issue on 1.10.71 was brought in force from 1.11.71.

1939 के भारत इंगलैण्ड व्यापार समझौते की समाप्ति

253. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव :
श्री आर० वी० वड़े :

क्या विदेश व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1939 का भारत-इंगलैण्ड व्यापार समझौता अगली जनवरी से समाप्त हो रहा है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या संभावित परिणाम निकलेंगे और इस संबंध में क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है ?

विदेश व्यापार मंत्री (श्री एल० एन० मिश्र) : (क) जून 1971 को भारत सरकार को ब्रिटिश सरकार से भारत-ब्रिटेन व्यापार करार, 1939 के समाप्त करने का छः महीने का नोटिस प्राप्त हुआ था ।

(ख) ऐसा मालूम होता है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार करार के समाप्त हो जाने के बाद भी ब्रिटेन के बाजार मे सूती वस्त्रों को छोड़कर, हमारे सभी उत्पादों को टैरिफ अग्रिमान मिलते रहेंगे, जब तक कि वे यूरोपीय आर्थिक समुदाय मे ब्रिटेन की प्रविष्टि के परिणामस्वरूप क्रमिक रूप से समाप्त नहीं हो जाते। सूती वस्त्रों के व्यापार में इस नई कठिनाई को दूर करने तथा उनके निर्यातों को बनाये रखने और उन्हें और भी सुधारने के लिये हमारे द्वारा विभिन्न कदम उठाये जा रहे हैं । समुदाय में ब्रिटेन की प्रविष्टि के संदर्भ में भी हम ब्रिटिश बाजार मे अन्य मदों के विषय मे अपने निर्यात हितों के संरक्षण के प्रयत्न कर रहे है ।

उत्तरी बिहार को चारा ले जाने के लिये रेल डिब्बे

254. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव :
श्री शंकर दयाल सिंह :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तरी बिहार में चारा के जाने के लिए पर्याप्त संख्या में रेल डिब्बे उपलब्ध नही किये गये थे;

(ख) यदि हां, तो बिहार राज्य सरकार ने कितने रेल डिब्बों की मांग की और उसे वस्तुतः कितने रेल डिब्बे दिये गये थे; और